नररर [नो रिमैंघावली H. 2. 188] मेघावली, वसन्ता.

भतनस (5-7) [ललना भूतौ न्सावितिन्द्रियर्षयः P. 8. 6] रति, ललना.

भभभभ (3-3-3-3) [मोटकनाम समस्तभमीरय (त्रिभिर्यतिचतुष्टयम्) Chm. 2. 93] भामिनी, मोटक, मोदक.

भभमस (4-8) [जलमाला भभमसाः सागरैर्वसुभिर्यतिः Mm. 17. 13] जलमाला.

भमसम [कान्तोत्पीडा भ्मौ स्मौ P. 6. 40] कान्तोत्पीडा.

भमसस (5-7) [पञ्चमुनी भ्मौ सात्सयुता ललना Vr. 3. 64. 12] ललना, ललिता.

मभरय (4-8) [माद्भ्रौ यः खं पुरधाम्नि पुण्डरीकम् Jk. 2. 136] पुण्डरीक.

मभसम (4-8) [अब्ध्यङ्गैर्जलधरमाला म्भौ स्मौ Vr. 3. 61] जलधरमाला.

मममम [सर्वे मा यस्मिन् सोऽयं विद्याधरः स्यात् Chm. 2. 89] कल्याण, काञ्चन, विद्याधर.

मममस [मममसैः विक्रान्ता Bh. 32. 12] विक्रान्ता.

ममयय (5-7) [वैश्वदेवी मौ याविन्द्रियर्षयः P. 6-41] चन्द्रकान्ता, चन्द्रलेखा, वैश्वदेवी.

यययय [भुजङ्गप्रयातं चतुर्भिर्यकारैः Chm. 2. 69] अप्रमेया, भुजङ्गप्रयात.

रजरज [रजौ रजौ समानम् Rm. 5. 1] समान.

रनभस [चन्द्रवर्त्म भवतीह रनभसैः Jk. 2. 131] चन्द्रवर्त्म, वितान.

रभजर [दुग्धवृत्तं रभजरैरुदीरितम् P. 6. 27. 5] दुग्ध.

रयनय [र्यैन्याः कुमुदिनी H. 2. 185] कुमुदिनी.

रररर [रैश्चतुर्भिर्मता वाग्विदैः स्रग्विणी Jk. 2. 120] पद्मिनी, लक्ष्मीधर, स्रग्विणी.

सजसस [प्रमिताक्षरा सजससैः कथिता Chm. 2. 73] प्रमिताक्षरा.

सयसय [शिबिका सयौ स्यौ च महेन्द्रवज्रा Jk. 2. 137] केकिरव, शिबिका, महेन्द्रवज्रा.

ससस [इह तोटकमाह चतुःसचितम् Jk. 2. 121] छित्तक, तोटक, नन्दिनी, भ्रमरावलि.

13 अतिजगती (46)

जतसजग (5-8) [जतौ सजौ गो भवति मञ्जुहासिनी Chm. 2. 107] मञ्जुभाषिणी, मञ्जुवादिनी-हासिनी, मन्दभाषिणी, सन्धिवर्षिणी.

जभसजग (4-9) [जभौ सजौ गिति रुचिराब्धिविश्रमा Jk. 2. 163] कलावती, प्रभावती, रुचिरा, अतिरुचिरा, सदागति.

जसतसग [उपस्थितमिदं ज्सौ त्सौ सगुरुकौ चेत् P. 7. 1. 12 or Vr. 3. 70. 2] उपस्थित.

तभजजग [त्भौ जौ गोऽभ्रकम् H. 2. 215] अभ्रक.

तभरजग (4-9) [वेदैर्ग्रहैस्तभरा जगौ प्रभावती Vr. 3. 70. 3] प्रभावती.

तभसजग (4-9) [लक्ष्मीर्भवेत्तभसजगैर्यतिः श्रुतौ Jk. 2. 154] प्रभावती, रुचि, लक्ष्मी.

नजजरग [भवति मृगेन्द्रमुखं नजौ जरौ गः P. 7. 1. 9] मृगेन्द्रमुख, सुवक्त्रा, अचल.

नजततग (7-6) [कुटिल (कुटज) गतिर्नजौ सप्तभिस्तौ गुरुः Vr. 3. 70. 6] कुटिल (कुटज) गति.

नजनसग [नजनसगैरपि मदकलिता स्यात् Jk. 2. 115] मदकलिता.

नजमतग (7-6) [कुटजगतिर्नजौ सप्तर्तुर्म्तौ गुरुः Chm. 2. 108] कुटजगति.

नजसजग [नजसजगैर्भवति मञ्जुभाषिणी Jk. 2. 156] मञ्जुभाषिणी.

नततग [अतिजगत्यां नतौ तौ गुरुः कौमुदी Jk. 2. 149] कौमुदी, उर्वशी.

नततरग (7-6) [उर्वशी नस्ततरगा राज्याङ्गैर्ऋतुभिर्यतिः Mm. 1. 19] उर्वशी.

ननततग (7-6) [कुटिलगतिर्नौतौग् स्वरर्तवः P. 8. 8] कुटिलगति, क्षमा, चन्द्रिका, विद्युत्.

ननतरग (4-9) [नौ त्रौ गः क्षमा H. 2. 200] क्षमा.

ननतसग [नौ त्सौ गो गौरी H. 2. 213] गौरी.

ननननग [नीगौ त्वरितगतिः H. 2. 219] चपला, त्वरितगति, लघुगति.

ननसग [गौरी नौ न्सौ ग् P. 7. 4] गौरी.

ननमरग (7-6) [नौ म्रौ गः क्षमा H. 2. 203] क्षमा.

ननरयग [नौ र्यौ गश्चन्द्रिका H. 2. 205] चन्द्रिका.

ननसरग [भवति भुवि ननसरैर्गेन गौरी Vr. 3. 70. 8] गौरी.

ननससग [नयुगलसयुगलगैरिति चण्डी Chm. 2. 98] कमललोचना, कमलाक्षी, चण्डी.

नसजजग [न्सौ जौ गो लयः H. 2. 208] लय.

नसततग [न्सौ तौ गो विद्युन्मालिका H. 2. 209] विद्युन्मालिका.

नसततग (6-7) [ऋतुमुनियतिर्विद्युन्नसौ तौ गुरुः Vr. 3. 70. 9] विद्युत्.

नसररग (6-7) [नसरयुगगैश्चन्द्रलेखर्तुलोकैः Vr. 3. 70. 10] चन्द्रलेखा.

भनजजल [भनजा जलौ पङ्कावली Pp. 2. 148.] पङ्कावली.

भभभभग [गन्तभकारचतुष्कयुताङ्गरुचिः Jk. 2. 161] अङ्गरुचि.

मतयसग (4-9) [मत्तमयूरं म्तौ य्सौ ग् समुद्रनवकौ P. 7. 3] मत्तमयूर.

मतसरग (5-8) [म्तौ स्रौ गः कौड्डम्भो वैः H. 2. 216] कौड्डम्भ.